वर्षिक प्रगति पत्रक

वर्ष 2018-19 (31 मार्च 2017 तक)

मध्यभारत किसानों का किसानो के लिए एवं किसानो द्वारा .....
किसानों परिमार्जित व आधुनिक सहकारी संस्थान

मध्यभारत कंसोर्टियम ऑफ फारमर्स प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड (MBCFPCL)

म.प्र. में लघु कृषक उत्पादक संगठनों का राज्य स्तरीय परिसंघ
लघु कृषकों की खेती को लाभदायक बनाने हेतु
(लघु कृषक कृषि व्यापार संघ, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, राज्य शासन व सामाजिक संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तित)

परिचय

मध्यभारत कंसोर्टियम ऑफ फारमर्स प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड (MCFPCL) प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसान उत्पादक संगठनों का राज्य स्तरीय संगठन है, जिसकी स्थापना किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा सितम्बर 2014 में एसएफएसी, राज्य आजीविका फोरम व सामाजिक संस्थाएं मुख्यतः आसा व अन्य के सहयोग से की गई थी। यह संस्था उत्पादक कंपनी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है जिसे केन्द्र व राज्य शासन ने सहकारिता के समकक्ष माना है। वर्तमान में यह संस्था मध्य प्रदेश के 45 जिलों में 2.24 लाख से अधिक किसानो के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में 109 किसान उत्पादक कंपनियां एवं कई सहकारी समितियाँ सदस्य के रूप में जुड़कर कृषि व्यवसाय का कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य आगामी 5 वर्षों में प्रदेश मे निर्मित 200 से अधिक किसान उत्पादक कंपनियों को साथ में जोड़कर लघु कृषक कृषि व्यवसाय को तीव्र गति से आगे बढ़ाते हुए किसान उत्पादक संस्थाओं के विकास एवं सदस्यों की बेहतरी के कार्य में देश मे नं. 1 किसान उत्पादक संस्था बनना है।

मध्यभारत एक झलक

- मध्यप्रदेश लघु किसान उत्पादक संगठनों का राज्य परिसंघ, निर्माण 18 सितंबर 2014
- अंशधारी कुल किसान उत्पादक कम्पनियाँ 109 व 11 सहकारी समितियां (व्यवसायिक सदस्य)
- भौगोलिक कार्यक्षेत्र–प्रदेश के कुल 45 जिले
- कुल किसानो तक पहुँच 2.24 लाख
- वर्तमान अंशपूंजी 49.61 लाख
- वर्तमान वार्षिक व्यवसाय केवल मध्यभारत–154 करोड़ व सदस्यों सहित कुल 256 करोड़
- वर्ष 2025 तक लक्षित लघु किसानों की संख्या–10 लाख
- कृषि व्यवसाय/कृषि सेवाए द्वारा प्रति किसान लक्षित अतिरिक्त आय–1 लाख वार्षिक (न्यूनतम)

उद्देश्य

मध्यभारत का मुख्य उद्देश्य लघु कृषक उत्पादक संगठनों को उनके व्यवसाय हेतु एकल बिन्दु से विभिन्न प्रकार की सहायता जैसे सही बाजार व वित्त व्यवस्था से जोड़ने हेतु मदद, एवं उनके उत्पादों को एक कॉमन ब्राण्ड के रूप में विकसित कर बाजार व्यवस्था में वृहद आर्थिक व्यवसाय स्वरूप का लाभ पहुँचाना है।

मुख्य व्यवसायिक गतिविधियां

- कृषि उत्पादों का एकत्रीकरण, संग्रहण, प्राथमिकी प्रसंस्करण, ब्राण्डिंग एवं विपणन।
- सदस्य किसान उत्पादक कम्पनियो के साथ साझेदारी में व्यवसायिक कृषि, बीज उत्पादन एवं विपणन मे सहयोग।
- सदस्य किसान उत्पादक कम्पनियो के साथ मिलकर नवीन तकनीकी का प्रसार व कृषि उत्पादक (मुख्यतः दलहन) वृद्धि व स्थायी कृषि हेतु उत्पादों का एकीकरण, संग्रहण व विपणन।
- किसान उत्पादक संस्थाओं हेतु वित्तीय सुविधाओं/ऋण हेतु लिंकेज।
- आधुनिक कृषि सेवा केन्द्रो की स्थापना एवं स्थानीय उत्पाद आधारित प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन को प्रोत्साहन।

गठन

मध्यभारत कंसोर्टियम ऑफ फारमर्स प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड का गठन सहकारिता के परिमार्जित स्वरूप जिसे उत्पादक कम्पनी अधिनियम 2002 कहा जाता है जो कि कम्पनी संशोधित अधिनियम 1956 के भाग 9 ए की धारा 581 ए जिसे संशोधित कम्पनी अधिनियम 2013 अंतर्गत धारा 456 मे उद्धृत है अंतर्गत हुआ था। यह संस्था लघु कृषक व्यापार संघ, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, राज्य आजीविका फोरम म.प्र. शासन एवं सामाजिक संस्थाओं मुख्यतः आसा, रेबो बैंक फाउण्डेशन वृत्ति, एडीएस, आईजीएस, एव एमसीएम के संयुक्त सहयोग से किया गया था।

भौगोलिक कार्यक्षेत्र

मध्यभारत कंसोर्टियम वर्तमान में मध्यप्रदेश के 44 जिलों के कुल 129 विकास खण्डो में 109 अंशधारक सदस्य किसान उत्पादक कंपनियाँ, 11 सहकारी संस्थाये एवं 80 डीलर्स/डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क के माध्यम से 2.4 लाख से अधिक किसानो को बेहतर बाजार से जोड़ने, कृषि व्यवसाय बढ़ोत्तरी व आर्थिक उन्नयन की दिशा में कार्य कर रहा है।

भौगोलिक कार्यक्षेत्र

भोपाल	मंडला	होशंगाबाद	खण्डवा
सीहोर	अलीराजपुर	उज्जैन	सतना
झाबुआ	रतलाम	डिंडोरी	दमोह
आगर	बड़वानी	रीवा	सीधी
रायसेन	खरगौन	पन्ना	देवास
विदिशा	छतरपुर	हरदा	शिवपुरी
टीकमगढ़	अनूपपुर	जबलपुर	कटनी
उमरिया	शहडोल	बैतुल	मुरैना
राजगढ़	सागर	बालाघाट	धार
नरसिंहपुर	गुना	छिन्दवाड़ा	ग्वालियर
शाजापुर	शिवनी	दतिया	भिण्ड

मध्यभारत द्वारा व्यवसाय हेतु लक्षित फसलें – **दलहनी फसले** मुख्यतः तुअर, उड़द, मूंग, चना, मसूर। **अनाज फसले** मक्का (सफेद एवं पीला), गेहूं (म0प्र0 शरबती, विदिशा एवं सीहोर प्रीमियम गुणवत्ता वाले) एवं कलिंग गेहूं, जैविक धान, सामान्य धान (बासमती एवं गैर बासमती दोनों), **तिलहन फसले**, कपास, तिल, रामतिल, सोयाबीन एवं सूक्ष्म धान्य कोदो, कुटकी, **मसाले** धनिया, मिर्च सब्जियाँ आलू, प्याज एवं मटर इत्यादि शामिल है।

विशेष व्यवसाय: – आरटीआरएस सोयाबीन, ग्लोबल गैप आधारित दलहन व बिना रासायनिक कृषि उत्पाद विपणन है।

व्यवसायिक एवं वित्तीय प्रगति (विगत 4 वर्षों की)

मुख्य मापदण्ड	इकाई	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
कुल विक्रय	रू. करोड़ में	154.55	23.26	7.93	1.92
अंश पूंजी	रू. लाख में	49.61	48.82	47.34	16.01
एफपीओ सदस्य	संख्या	109	97	86	46
शुद्ध लाभ	रू. लाख में	1.93	1.35	5.35	0.71

बिजनेस ग्राफ

किसानों को प्राप्त लाभ- मध्यभारत कंसोर्टियम से जुड़े 70 हजार कृषकों को प्रत्यक्ष रूप से रू. 1000 – 1500 प्रति क्विं अतिरिक्त मूल्य तथा प्रति किसान औसतन लाभ रू 1500–15000 प्रति सीजन प्राप्त हुआ है। हजारो छोटे कृषक किसान उत्पादक संस्थाओं के माध्यम से शासन द्वारा घोषित समर्धन मूल्य का फायदा प्राप्त कर सके है। बीज उत्पादन से जुड़े कृषकों को नई कृषि तकनीक, सही फसल प्रबंधन व उच्च गुणवत्ता के बीज के उपयोग से 25 से 40 प्रतिशत अतिरिक्त उपज प्राप्त हुई है।

सदस्य किसान उत्पादक कंपनियों को लाभ – सदस्य किसान उत्पादक कंपनियो को जो कि मध्यभारत के साथ मिलकर एग्रसाय का कार्य किया उन्हे कुल किए गए व्यवसाय का 0.75 से लेकर 5 प्रतिशत तक कमीशन / प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई कुल रू. 1 करोड़ से अधिक की राशि 28 सदस्य किसान उत्पादक कंपनियों को वितरित किया गया।

उत्पादक कम्पनियो के कृषि व्यवसाय मार्ग की मुख्य अडचने

- उत्पादक कंपनियो में दक्ष एवं अनुभवी मानव संसाधन की कमी
- व्यवसाय हेतु पुंजी एवं संग्रहण तथा प्रसंस्करण हेतु आवश्यक अधोसंरचनाओ का अभाव
- सही ब्याज दर पर ऋण व्यवस्था का अभाव, वर्तमान उपलब्ध ऋण काफी महंगे
- संबंधित शासकीय विभागो / कर्मचारियो के मध्य किसान उत्पादक कम्पनियों के बारे में जागरूकता की कमी तथा कृषि व्यवसाय हेतु आवश्यक शासकीय सहयोग का अभाव

संचालक मण्डल

क्र.	संचालको का नाम	जिला	पद	सम्बध्द संस्थाएं
1.	श्री दिनेश कुमार यादव	बड़वानी	अध्यक्ष	निमाड़ फारमर्स प्रो0 कं0 लिमिटेड
2.	श्री विक्रम सिंह परिहार	आगर	सं. मं. सदस्य	समर्थ किसान प्रो. कं. लिमिटेड
3.	श्री महेश पटेल	खरगोन	सं. मं. सदस्य	खरगोन प्रो0 कं. लिमिटेड
4.	श्री राघवेन्द्र सिंह	पन्ना	सं. मं. सदस्य	कर्णावती एग्री प्रो. कं. लिमिटेड
5.	श्री महेश कुमार शर्मा	शिवपुरी	सं. मं. सदस्य	हरदील एग्रीकल्चर मार्केटिंग एंड प्रो. कं. लिमिटेड
6.	श्री गप्पूलाल मीना	गुना	सं. मं. सदस्य	नेशकला कॉप प्रो0 कं0 लिमिटेड
7.	श्री छंदीलाल साहू	छतरपुर	सं. मं. सदस्य	बिजावर प्रो0 कं0 लिमिटेड
8.	श्री रायसिंह सेधव	देवास	सं. मं. सदस्य	जिम्मेदार किसान समृद्धि प्रो0 कं0 लिमिटे
9.	श्रीमती कला बाई	बड़वानी	सं. मं. सदस्य	डबड़यानी फारमर्स प्रो. कं0 लिमिटेड
10.	श्री दामोदर प्रसाद गौर	सीहोर	सं. मं. सदस्य	नर्मदांचल फार्मर प्रो. कं. लिमिटेड
11.	श्री राजेश आमरे	छिंदवाड़ा	सं. मं. सदस्य	सतपुड़ा सेल्फ रिलायन्ट फा0 प्रो0 कं0 लि0

मध्यभारत कंसोर्टियम के विशेषज्ञ संचालक मंडल सदस्य

क्र.	संचालक मंडल सदस्य का नाम	पद	पृष्ठभूमि
1.	श्री एम.एम. उपाध्याय, IAS	विशेषज्ञ सं.मं. सदस्य (कृषि विकास)	भू.पू. कृषि उत्पादन आयुक्त, म0प्र0 शासन एवं प्रमुख सलाहकार, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल
2.	श्री एस.एस. भटनागर	विशेषज्ञ सं.मं. सदस्य (बीज व्यवसाय)	भू–पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बीज निगम (भारत सरकार) एवं सलाहकार, राज्य सहकारी बीज संघ म.प्र. शासन
3.	डॉ. रविन्द्र पश्तोर IAS	संरक्षक	भू.पू. परियोजना समन्वयक एम.पी.डी.पी.आई.पी. एवं डायरेक्टर, ई–फसल

वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु विशेष योजना -

- शासकीय एवं निजी कंपनियो से साझेदारी कर कृषि उपज विपणन कार्य को ज्यादा से ज्यादा किसान उत्पादक संस्थाओं तक ले जाना।
- निजी क्षेत्र एवं शासकीय सहयोग से के साथ सदस्य किसान उत्पादक संस्थाओं के कृषि आदान विपणन केन्द्रो को सालभर चलने वाले व्यवसाय केन्द्रों के रूप में परिवर्तित करना।
- किसानों के कृषि उत्पादों को बेहतर मूल्य दिलाने हेतु उन्हे ग्लोबल गैप व आरटीआरएस उत्पादन प्रमाणीकरण कार्यक्रम में पंजीकृत कर विशिष्ट बाजार मूल्य प्राप्त करना।
- ग्रामीण स्तर पर शासकीय/निजी सहयोग से कृषि उपज संग्रहण एवं प्रशंस्करण सुविधाओं को बढ़ावा।

हमारी सहयोगी संस्थाएँ -

लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (एसएफएसी) कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, नेफेड नई दिल्ली, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, म0प्र0 शासन, म0प्र0 राज्य आजीविका मिशन, रा0 वि0 सि0 कृषि वि0वि0 ग्वालियर, जवाहरलाल नेहरू कृषि वि0वि0, जबलपुर एवं सामाजिक संस्थाए मुख्यत:– आसा, सृजन, कार्ड, वृत्ति, एडीएस, एमसीएम, नमन, आईजीएस, एनजीटी, एस. व्ही. एस. एस., आईएफएफडीसी व व्यवसायिक संस्थाए कमातान फार्मटेक प्रा0 लि0, आईटीसी, ब्रिटानिया, विप्पी इण्डस्ट्रीज

हमारी वित्तीय सहयोगी संस्थाएँ -

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, एफ.डब्लू.डब्लू.बी., नेबकिसान, भारतीय स्टेट बैंक, समउन्नति फायनेंस।

ई-5/74, प्रथम तल, अरेरा कॉलोनी, भोपाल - 462016 (म.प्र.)
फोन नं. 0755- 4009566, ई-मेल mbcfpcl@gmail.com, वेबसाइड www.mbfpcl.org